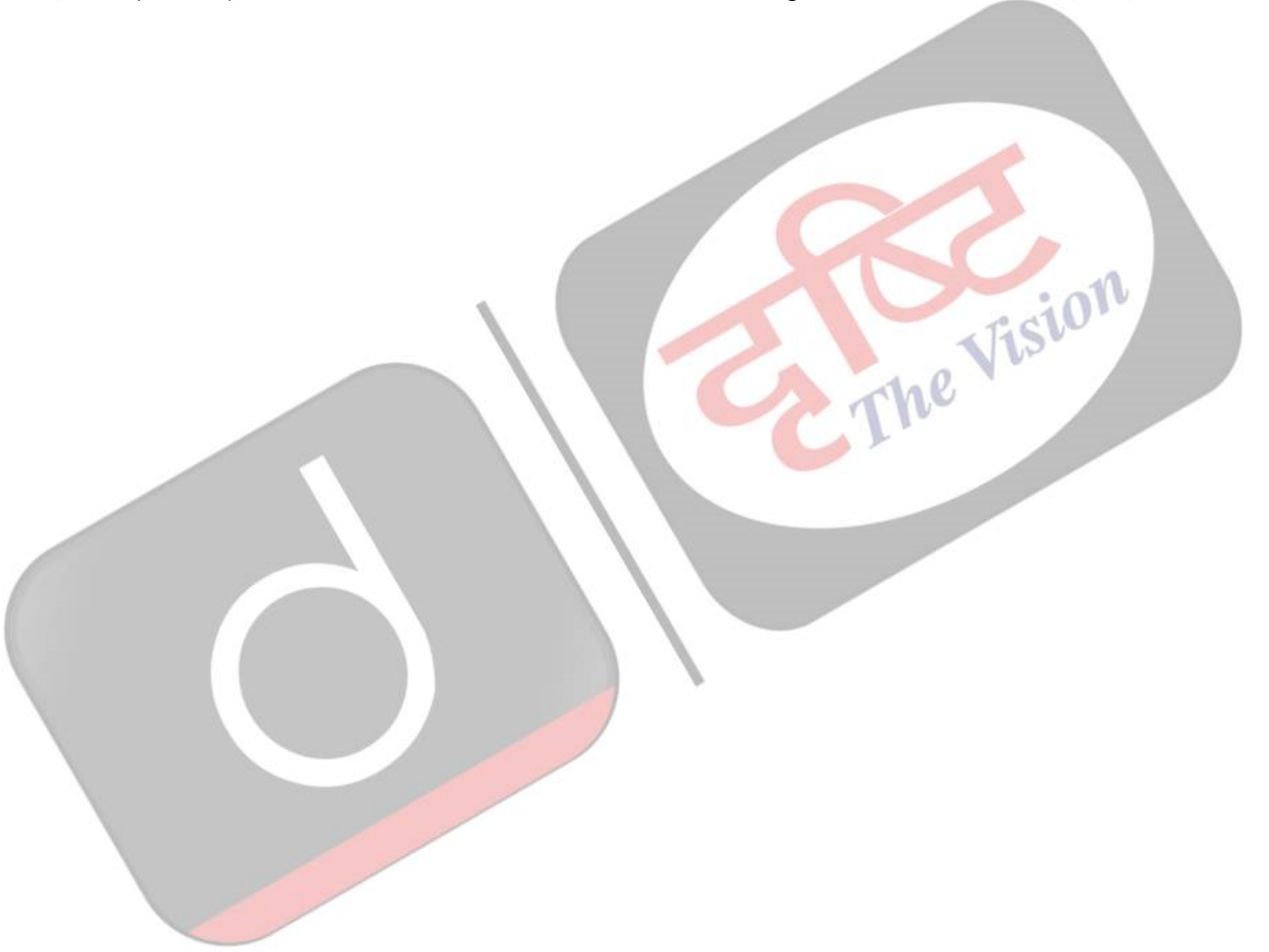




वशिव गौरैया दविस 2024

[स्रोत: बज़िनेस स्टैंडर्ड](#)

प्रत्येक वर्ष 20 मार्च को [वशिव गौरैया दविस](#) मनाया जाता है, जो जैवविविधता और पारस्थितिकि संतुलन बनाए रखने में गौरैया के महत्त्व पर प्रकाश डालता है।





वर्श्व गौरैया दविस 2024 की मुख्य वशैषताएँ क्या हैं?

- थीम: वर्ष 2024 में, वर्श्व गौरैया दविस की थीम- “Sparrows: Give them a tweet-chance!”, “I Love Sparrows” और “We Love Sparrows” है।
- इतहिस: वर्श्व गौरैया दविस की शुरुआत 20 मार्च 2010 को हुआ था। भारत में, इसकी शुरुआत नेचर फॉरएवर सोसाइटी द्वारा की गई थी।
- भारतीय संरक्षणवादी मोहम्मद दलिवर द्वारा स्थापति सोसाइटी का उद्देश्य [घरेलू गौरैया](#) और अन्य सामान्य पक्षियों के संरक्षण के महत्त्व पर बल देना अति आवश्यक है।

गौरैया के बारे में मुख्य तथ्य क्या हैं?

- पारस्थितिकी तंत्र में जैवविविधता और पौधों के विकास के लिये गौरैया महत्त्वपूर्ण है। वे बीजों का उपभोग और उत्सर्जन करते हैं, पौधों के बीजों को फैलाने तथा वनस्पति को बढ़ावा देने में मदद करते हैं।
- खतरा:
 - नविस स्थान के क्षरण, शहरीकरण और कृषिपद्धतियों में बदलाव के कारण गौरैया की आबादी वलुप्त हो रही है। घोंसला बनाने वाली

जगहों का नुकसान, साथ ही कीड़ों की आबादी में गिरावट प्रमुख कारक हैं।

◦ इस गिरावट के व्यापक प्रभाव हैं, जनिमें कीट-पतंगों में संभावित वृद्धि और जैवविविधता के लिये खतरे शामिल हैं।

■ **संरक्षण:**

◦ गौरैया के लिये उपयुक्त आवास बनाने के प्रयासों में शहरी हरियाली परियोजनाएँ और कृषिपारिस्थितिकीय अनुकूल आचरण शामिल हैं।

■ **भारत में कुछ सामान्य प्रजातियाँ पर्यावास और वितरण:**

गौरैया की प्रजाति	वैज्ञानिक नाम	आवास प्राथमिकताएँ	भारत में वितरण
घर की गौरैया	पासर डोमेस्टिकस	शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र	भारत भर में व्यापक रूप से वितरित
यूरेशियाई ट्री गौरैया	?	बुडलैंड्स, पार्क और उद्यान	भारत भर के विभिन्न क्षेत्रों में घरेलू गौरैया की तुलना में कम पाया जाता है।
वहाइट-थ्रोटेड स्पैरो	ज़ोनोट्रिचिया अल्बिकोलिस	उत्तरी क्षेत्र, पर्वतीय क्षेत्र	मुख्यतः जम्मू-कश्मीर या हिमाचल प्रदेश में
वेस्टनट-सोल्डरेड पेट्रोनास	?	सूखे जंगल, स्क्रबलैंड	राजस्थान या गुजरात जैसे क्षेत्रों में निवास करते हैं
फूफ्स ट्रीपी	?	आर्द्र प्रदेश, वन	असम या पश्चिम बंगाल जैसे क्षेत्रों को प्राथमिकता देता है।
बया वीवर	?	तटीय क्षेत्र, आर्द्रभूमियाँ	आमतौर पर गोवा या केरल जैसे तटीय क्षेत्रों में देखा जाता है।

नोट:

■ घर की गौरैया/हाउस स्पैरो (पासर डोमेस्टिकस) पासेरफोरमेस और पासेरिड परिवार से संबंधित है।

◦ यह **बिहार और दिल्ली का राज्य पक्षी** है तथा मानव बस्तियों के निकट होने के कारण आम तौर पर पाया जाता है।

◦ IUCN रेड लिस्ट में इसकी संरक्षण स्थिति सबसे कम चिंताजनक है।

Warning signs for bird species

A total of 142 bird species in India were found to be declining, while only 28 were increasing, in recent years (annual change over past eight years), according to the State of Indian Birds report 2023 released on Friday. A look at its findings. **By Jayashree Nandi**

CURRENT ANNUAL TREND

942 birds assessed (299 had insufficient data)

142 species declining (of which 64 seeing a rapid decline)

217 species stable (189) or increasing (28) in the last eight years

643 with sufficient data

HOW SPECIES ARE FARING

Certain groups of birds are faring particularly poorly, including open habitat species such as bustards and coursers; riverine sandbar-nesting birds; coastal shorebirds; open-country raptors; and a number of ducks, the report said.

- 14 species, including **Indian Roller**, recommended for IUCN Red List reassessment
- Asian Koel** has increased in the past three decades
- Birds that **live in key habitats** like open ecosystems, rivers, and coasts have declined
- Indian Peafowl** continues to thrive
- Raptors, migratory shorebirds, and ducks have **declined the most**

The Asian Koel (top) shows a dramatic increase since 2000. **Photo by Abhishek Das**

Western Ghat endemic birds like the White-bellied Blue Flycatcher (above) are most severely impacted. **Photo by Albin Jacob**

THE MAJOR THREATS FACING INDIAN BIRDS

CLIMATE CRISIS
Timings of annual events (e.g. migration, nesting, insect emergence) become asynchronous.

For sedentary birds, dealing with climate change will require rapid adaptive changes.

Higher temperatures also cause birds to alter their behaviour, making them more likely to seek shade and spend less time foraging.

Bird species are shifting their ranges to higher latitudes (i.e., away from the tropics and towards the poles) and in mountains, to higher elevations.

DISEASE
Nearly 7% of globally threatened bird species have declined due to avian malaria.
Avian influenza outbreaks in 2020-2021 across India, caused mass mortality of wild birds.

ENERGY INFRA
Collision of birds with rotating wind turbine blades; Displacement of birds from the turbine area due to disturbance

URBANISATION
Urban habitats tend to be unsuitable for rare and specialist species, while promoting common species.
In central Delhi, fruiting trees offer resources for arboreal frugivorous birds such as Brown-headed Barbet and Yellow-footed Green Pigeon. But, urbanisation leads to a homogenisation of bird communities due to the increased abundance of birds adept at exploiting ecological niches.

और पढ़ें... [स्टेट ऑफ इंडियाज़ बर्ड्स, 2023](#)

??????????:

प्रश्न. नमिनलखिति में से कौन-सा पक्षी नहीं है? (2022)

- (a) गोलडन महासीर
- (b) इंडियन नाइटजर
- (c) स्पूनबलि
- (d) व्हाइट आइबसि

उत्तर: (a)

प्रश्न. नमिनलखिति पर वचिर कीजयि: (2018)

- 1. पक्षी
- 2. उड़ती धूल
- 3. वर्षा
- 4. बहती हवा

उपर्युक्त में से कौन-से पादप रोग फैलाते हैं ?

- (a) केवल 1 और 3
- (b) केवल 3 और 4
- (c) केवल 1, 2 और 4
- (d) 1,2, 3 और 4

उत्तर: (d)

